चुनौती | शहर में आज भी कई क्षेत्रों में पेयजल पाइपलाइन नालियों के बीच से होकर गुजर रही

बरसात में पुरानी लाइनें निगम के लिए बनी चुनौती

जबलपुर, नवभारत। नगर निगम के करोड़ों रुपये की जलापूर्ति योजनाओं के दावों के बावजूद शहर में आज भी कई क्षेत्रों में पेयजल पाइपलाइन नालियों के बीच से होकर गुजर रही है। बरसात के मौसम में पाइपलाइन में लीकेज होने पर नालियों का गंदा पानी पेयजल में मिल जाने की आशंका बनी रहती है, जिससे संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ जाता इंदौर में दूषित पेयजल आपूर्ति से हुई मौतों से सबक लेते हुए जबलपुर में निगम प्रशासन ने मिशन शुद्ध जल अभियान छेड़ा। जिसके तहत पेयजल पाइपलाइनों का दुरुस्तीकरण कराया गया, कुछ जगह पेयजल आपूर्ति लाइनें बदली भी गई। परंतु अब भी शहर के 60 प्रतिशत क्षेत्रों की पेयजल आपूर्ति लाइनें नाला-नालियों से होकर गुजर रहीं हैं। शहर के अधिकांश क्षेत्रों में अब भी मटमैला पानी आ रहा है। नेपियर टाउन, लकड़गंज, मोतीनाला, लेमागार्डन, गोहलपुर सहित कुछ अन्य क्षेत्रों में पानी की गुणवत्ता ठीक न होने की शिकायतें सामने आती रहती हैं। नागरिकों ने बताया कि नलों से पहले गंदा पानी आता और फिर कुछ देर बाद साफ आने लगता है। परंतु पानी में नाली की दुर्गंध भी बनी रहती है। ऐसे में लोगों में जहां व्यवस्था को लेकर रोष है तो वहीं नगर निगम के सामने चुनौती बनी हुई है।

गुणवत्ता पर उठ रहे सवाल

इन पाइपलाइनों से होकर लोगों के घरों में पहुंचने वाले पेयजल की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। शहर में अनेक कालोनी और बस्ती क्षेत्रों में नालियों से गुजर रही पाइप लाइनों को निकालना चुनौती बना हुआ है। इसके बाद नालियों का दूषित पानी भी पेयजल के साथ घरों में पहुंचने लगता है। ऐसे में शहर की बड़ी आबादी को दूषित जल की आपूर्ति हो रही है।

होने लगता है घिसाव

शहर के अधिकांश क्षेत्रों में ये जलापूर्ति करने वाली वितरण लाइन की यही स्थिति है। वर्षों बाद भी पाइपलाइन बदलीं नहीं गईं। लगातार नाली-नालियों के क्षारीय पानी, धूल, मिट्टी के संपर्क में रहने से इन पाइपलाइनों में घिसाव हो चुका है। जानकारों की माने तो जल वितरण लाइन यदि मिट्टी या रेत के नीचे डाली गई है तो उसकी उम्र 20 साल तक होती है इसके बाद धीरे-धीरे वह खराब होने लगती है। जबकि नाला-नालियों से होकर गुजर रही पाइपलाइनों में आठ से 10 सालों के भीतर ही घिसाव होने लगता है।

इनका कहना है

किसी भी लाइन में अगर लीकेज रहता है तो उसे तुरंत दुरुस्त कर दिया जाता है।

कमलेश श्रीवास्तव
कार्य. यंत्री जल, नगर निगम

आश्रम में हो रही थी गांजे की खेती

जबलपुर । गौरीघाट स्थित ललपुर में स्वामी शिवेन्द्रानंद रंगनाथनआश्रम में गांजे की खेती की जा रही थी । आश्रम में गांजे पौधे लगे हुए थे । पुलिस ने छापेमारी करते हुए 4 गांजा के पौधे वजनी 778 ग्राम के जप्त किए। नगर पुलिस अधीक्षक गोरखपुर एम.डी.नागोतिया ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि स्वामी शिवेन्द्रानंद रंगनाथन निवासी नर्मदा पम्प हाउस ग्राम ललपुर ग्वारीघाट का अपने आश्रम निवास स्थान पर अवैध रूप से गांजा के पौधे लगाये हुये है, सूचना पर एनडीपीएस एक्ट के प्रावधानों के तहत कार्यवाही करते हुये दबिश दी गई स्वामी रंगनाथन के आश्रम निवास नर्मदा पंपहाउस ललपुर में स्वामी शिवेन्द्रानंद 48 वर्ष निवासी नर्मदा पंपहाउस ललपुर ग्वारीघाट मिले जिसे सूचना से अवगत कराते हुये तलाशी लेने पर आश्रम परिसर में गांजे के 4 छोटे बडे पौधे गमले मे लगे मिले, जिन्हे मिट्टी से अलग कर तौल करने पर 778 ग्राम वजनी गांजे का पौधे होना पाये गये जिसे जप्त करते हुये एनडीपीएस एक्ट का अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया।

भोपाल पुलिस आयुक्त हाईकोर्ट में बतायें फाइबर मसाज का मतलब

युगलपीठ ने 24 घंटों में पेश होने के दिये निर्देश

जबलपुर। हाईकोर्ट ने लगभग तीन दशक पूर्व दायर की गयी अपील की सुनवाई के दौरान पुलिस के द्वारा पेश किये गये हलफनामा को गंभीरता से लिया है। हाईकोर्ट जस्टिस विवेक अग्रवाल तथा जस्टिस ए के सिंह की युगलपीठ ने पुलिस आयुक्त भोपाल को निर्देश किया है कि वह व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर हलफनामा में उपयोग किये गये फाइबर का मतलब न्यायालय को समझायें । युगलपीठ ने पुलिस आयुक्त को 24 घंटा का समय प्रदान करने हुए अगली सुनवाई 1 जुलाई को निर्धारित की है।

गौरतलब है कि भोपाल निवासी अपीलकर्ता नवाब सेंटिंगवाला ने हत्या के आरोप में सजा से दंडित किये जाने के खिलाफ हाईकोर्ट में साल 1996 को अपील दायर की थी। प्रकरण में जमानत का लाभ मिलने के बाद आवेदक तथा उसकी तरफ से कोई अधिवक्ता न्यायालय में उपस्थित नहीं हो पाया। आवेदन पर सुनवाई करते हुए न्यायालय ने आवेदक के खिलाफ जमानती तथा गैर जमानती वारंट जारी किये थे। वारंट की तामीली नहीं होने को गंभीरता से लेते हुए हाईकोर्ट ने पुलिस विभाग को हलफनामा पेश करने के आदेश जारी किये थे।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जहांगीराबाद की तरफ से पेश किये गये हलफनामा के साथ कार्यवाही रिपोर्ट पेश की गयी थी। युगलपीठ ने हलफनामा का अवलोकन करते हुए शासकीय अधिवक्ता से पूछा कि हम जानना चाहते है कि इसमें अपीलकर्ता के रिश्तेदारों और उसकी संपत्ति का विवरण कहां है। थाना प्रभारी बजरिया पुलिस स्टेशन बजरिया भोपाल ने जानकारी दी है कि जमानत मिलने के बाद अपीलकर्ता नवाब सेंटिंगवाला (पिता सैयद साजिद अली) अपने भाई महफूज पिता मो. इकराम, निवासी रुसल्ली मस्जिद के पास, वकील कॉलोनी, निशातपुरा के साथ रहने लगा था।

हाईकोर्ट ने पिता सहित दो बेटों को किया दोषमुक्त

महिला की हत्या के आरोप में सजा से दंडित सास, पति तथा देवर को हाईकोर्ट से राहत मिली है। हाईकोर्ट जस्टिस विवेक अग्रवाल तथा जस्टिस ए के सिंह ने सजा के खिलाफ दायर अपील की सुनवाई के दौरान पाया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार मृतक महिला के शरीर में चोट के निशान नहीं है, यह घटना सुसाइड भी हो सकती है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट तथा डॉक्टर सहित अन्य गवाह के विरोधाभासी बयान होने के कारण युगलपीठ ने आजीवन कारावास की सजा को निरस्त करते हुए अपीलकर्ताओं को दोषमुक्त कर दिया। सागर के बांदा जिला निवासी प्रताप सिंह तथा उसके बेटे छतर सिंह लोधी और लक्खू उर्फ लखन सिंह के द्वारा हत्या के आरोप में आजीवन कारावास की सजा से दंडित किये जाने के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील दायर की गयी थी। अभियोजन के अनुसार छतर सिंह लोधी की पत्नी भारती सिंह को आग लगने के कारण उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया था। आरोपियों ने महिला पर केरोसिन का तेल डालकर आग लगा दी थी। याचिकाकर्ताओं की तरफ से तर्क दिया गया कि गवाहो व पोस्टमार्टम रिपोर्ट से डॉक्टरों के बयानों में विरोधाभास है। युगलपीठ ने सुनवाई के दौरान पाया कि मृतिका के पिता ने एक बयान में कहा है कि उसकी बेटी ने स्वयं आग लगी है। दूसरे बयान में कहा है कि आरोपियों ने आग लगाई है। इसके अलावा पोस्टमार्टम करने वाले डॉक्टर के बयान भी रिपोर्ट से भिन्न है। उसने खुद माना है कि महिला कि शरीर में चोट नहीं थी, इसलिए घटना सुसाइड की हो सकती है। युगलपीठ ने सुनवाई के बाद दोषसिद्धि के आदेश को निरस्त कर दिया।

मानसून : झूमकर बरसे बदरा, भीगा शहर

चौबीस घंटे में 20 .2 मिमी बारिश रिकॉर्ड

जबलपुर। मानसून की झमाझम बारिश से शहर दिन-रात भींग रहा है। सोमवार रात में रूक-रूककर रिमझिम बारिश होती रही। मंगलवार सुबह अचानक मौसम ने करवट बदली और सुबह की शुरुआत तीखी धूप के साथ हुई। दिन चढ़ने के बाद साथ बादलों और सूरज के बीच लुकाछिपी का खेल चला।

दोपहर 12:30 बजे के बाद मौसम का मिजाज बदल गया। अचानक घने काले बादलों ने पूरे आसमान को घेर लिया इसके बाद लगभग एक बजे देखते ही देखते तेज बारिश का सिलसिला शुरू हो गया। झमाझम के साथ रिमझिम बारिश का दौर चलता रहा और शहर भींगता रहा। बारिश से लोगों को उमस और भीषण गर्मी से राहत मिली। चौबीस घंटे में 20.2 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। सीजन में अब तक 62.7 मिमी तक बारिश का आंकड़ा पहुंच चुका है।

मौसम विभाग की माने तो 1 से 5 जुलाई को जबलपुर जिले में वर्षा 10-15 मिमी प्रतिदिन होने की संभावना है। दीर्घवादी पूर्वानुमान में आने वाले हफ्ते में पूर्वी मध्य प्रदेश (मध्य से दक्षिण भाग) में सामान्य से अधिक वर्षा की संभावना है।

दिन और रात का पारा लुढ़का

अधिकतम तापमान 38.4 डिग्री सेल्सियस से लुढ़कर मंगलवार को 32 डिग्री पर पहुंच गया जो सामान्य से 4 डिग्री कम रहा । न्यूनतम तापमान 28.6 डिग्री से गिरकर 25.2 डिग्री पर पहुंच गया। सुबह के वक्त आद्रता 86 और शाम को 71 प्रतिशत दर्ज की गई। दक्षिण-पश्चिमी हवाएं 4 से 5 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से चली।

61 बोरी नकली खाद और नामी कंपनियों के 156 वारदाने जब्त

घर से चल रही थी नकली डीएपी खाद की फैक्ट्री

जबलपुर। कटंगी थाना अंतर्गत ग्राम करौंदी (14 मील) में एक मकान में नकली डीएपी खाद की फैक्ट्री चल रही थी जहां जालसाज हूबहू असली जैसी दिखने वाली नकली डीएपी खाद तैयार कर उसे ब्रांडेड कंपनियों के नाम पर ऊंचे दामों में बेचने की फिराक में था। कृषि विभाग की छापेमारी में पकड़ी नकली डीएपी की फैक्ट्री के बाद मौके से 61 बोरी नकली खाद और नामी कंपनियों के 156 बारदाने जब्त किए गए थे। जांच पड़ताल के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। जानकारी के अनुसार 27 जून को दोपहर 2 बजे कषि विभाग की टीम ने कटंगी थाना थाना अंतर्गत ग्राम करौंदी (14 मील) में रहने वाले 30 वर्षीय बहादुर राजपूत, पिता परमानन्द राजपूत के मकान पर दबिश दी, तो अंदर का नजारा देखकर अधिकारी भी दंग रह गई। आरोपी ने अपने ही घर के भीतर अवैध रूप से नकली खाद बनाने और उसकी री-पैकिंग का पूरा सेटअप जमा रखा था। छापेमारी के दौरान प्रशासनिक टीम को मौके से असली डीएपी जैसे दिखने वाले रासायनिक रूप से संदेहास्पद काले दानों से भरी 61 बोरियां बरामद की गईं। पारादीप फास्फेट लिमिटेड के नाम की 56 खाली बोरियां और पारदीप ब्रांड अंकित 100 खाली बोरियां मिलीं। आरोपी असली खाद की तरह दिखने वाले इन दानों को इन बोरियों में भरकर बाजार में ब्रांडेड खाद के रूप में बेचने वाला था।

उर्वरक निरीक्षक पंकज कुमार श्रीवास्तव ने मौके पर ही बरामद खाद का पंचनामा तैयार कर उसके नमूने रासायनिक विश्लेषण के लिए प्रयोगशाला भेज दिए हैं। कृषि विभाग की लिखित शिकायत पर कटंगी पुलिस ने आरोपी बहादुर राजपूत के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है।

रिश्वतखोरी के मामले में फरार सेंट्रल जीएसटी अफसर ने कोर्ट में किया सरेंडर

जबलपुर। सेंट्रल जीएसटी के अधिकारियों द्वारा रिश्वत लेने के मामले में फरार चल रहे अधीक्षक मुकेश बर्मन ने सीबीआई की विशेष अदालत में आत्मसमर्पण कर दिया है। अदालत ने आरोपी को 2 जुलाई तक के लिए सीबीआई की रिमांड पर भेज दिया है। गौरतलब है कि पिछले साल 17 दिसंबर को सीबीआई की टीम ने सेंट्रल जीएसटी के असिस्टेंट कमिश्नर विवेक वर्मा और इंस्पेक्टर सचिन खरे को एक होटल व्यवसायी विवेक त्रिपाठी से 4 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा था। उस समय अधीक्षक मुकेश बर्मन वहां से फरार हो गया था। तब से वह करीब 6 महीने से पुलिस की गिरफ्त से दूर था। सीबीआई के एसपी एसके राठी के नेतृत्व में लगातार उसकी तलाश की जा रही थी।

हाल ही में उसके ग्वारीघाट स्थित घर पर भी दबिश दी गई थी। गिरफ्तारी न होने पर सीबीआई ने कोर्ट से उसकी संपत्ति कुर्क करने की अनुमति भी ले ली थी। अब रिमांड के दौरान उससे अन्य महत्वपूर्ण जानकारियों और दस्तावेजों के बारे में पूछताछ की जाएगी।

एक नजर में

ननि : 44 जनसमस्याओं का हुआ निपटारा

जबलपुर। नगर निगम मुख्यालय और सभी संभागीय कार्यालयों में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई नागरिकों के लिए राहत भरी साबित हुई। जनसुनवाई में निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार के निर्देश पर अपर आयुक्त सौरभ मिश्रा, अशफाक परवेज कुरैशी, मनोज श्रीवास्तव, जनसुनवाई प्रभारी सहायक आयुक्त वेद प्रकाश जनसुनवाई में सुनवाई करने पहुंचे और नागरिकों की समस्याओं का मौके पर ही समाधान कराया। मुख्यालय में आयोजित सुनवाई के दौरान अपर आयुक्त मिश्रा, कुरैशी, श्रीवास्तव, जनसुनवाई प्रभारी सहायक आयुक्त प्रकाश ने लगातार नागरिकों की समस्याओं को सुना और प्राप्त सभी 44 आवेदनों पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। इस अवसर पर सभी आवेदक काम कराकर चेहरों पर मुस्कान लेकर लौटे। जनसुनवाई के दौरान श्रीमती अंकिता जैन, गुलाब इमवाती, सुनील दुबे, विष्णु, देवेंद्र पटेल, असद, सतीश मिश्रा, आशा चैधरी, व समस्त विभागीय प्रमुख व प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

25 लाख की धोखाधड़ी : बंधक प्रॉपर्टी बेची, एफआईआर दर्ज

जबलपुर। भूमाफियाओं ने रिकॉर्ड में हेरफेर करके बंधक प्रॉपर्टी को बेचकर 25 लाख रूपए की धोखाधड़ी कर दी । मामले में गोहलपुर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर पतासाजी शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक वंदना नगर निवासी निर्मल कुमार राठौर ने मौजा गोहलपुर खसरा नंबर 237/1/3, रकबा 800 वर्गफुट का एक आवासीय प्लॉट शैलेश कुमार राठौर से 25 लाख में खरीदा था। इस डील को फाइनल कराने और गवाही देने में मोहम्मद जफर रिजवी और मोहम्मद साहन उस्मानी ने मुख्य भूमिका निभाई थी। रजिस्ट्री होने के बाद पीड़ित ने जमीन पर अपने जीवन की जमापूंजी लगाकर मकान बनाया, जिसमें वर्तमान में उनका 12 सदस्यों का संयुक्त परिवार रह रहा है। उक्त विक्रय प्लाट ऐरिया का सौदा मोहम्मद जफर रीजबी पिता उजेर मोहम्मद एवं मोहम्मद साहन उस्मानी पिता शेख मेहबूब उस्मानी निवासी रामनगर आधारताल वालों के द्वारा उक्त क्रय प्लाट का सौदा कराया था एवं पैसा 25 लाख रूपये क्रेताओं के द्वारा दिया गया था। तहसीलदार आधारताल के द्वारा 2 जून 2026 को उसके मकान में आकर बताया गया कि यह मकान एस.एम.एफ.जी. इंडिया होम फाईनेंस कंपनी लिमिटेड में बंधक है और जिसे प्लाट मालिक शैलेश कुमार राठौर के द्वारा बंधक रखा गया था जिसका पैसा नही दिया गया है जिस कारण उक्त मकान की नीलामी की जानी है। 2 जून 2026 को उसके मकान में ताला डालने का प्रयास करने लगे तब उसके द्वारा मोहम्मद रीजबी उस्मानी को बुलाकर बैंक अधिकारीयों का सामना कराया तो उन्होने उक्त पैसा देना स्वीकार किया और कहा कि थोडे समय में बैंक का कर्ज अदा कर देंगे। पहली बार जानकारी मिली हुई कि जो मकान उसने व उसके भाईयो भतीजे ने मिलकर खरीदा है वह बैंक में बंधक है। जबकि बंधक संपत्ति के संबंध में विक्रय पत्र निष्पादन कराते समय ना तो विक्रय शैलेश राठौर जफर रिजबी व साहन उस्मानी व बैंक मैनेजर एवं न तो रजिस्टार के द्वारा जानकारी नहीं दी गई थी। शैलेष राठौर एवं मोहम्मद जफर रीजबी मोहम्मद सहान उस्मानी के द्वारा उक्त संपत्ति बैंक में बंधक होते हुये भी तथ्यों को छुपाकर साठगाठ करते हुये धोखाधड़ी की गई है ।

मतगणना के हर चरण में बढ़ रही प्रतिस्पर्धा

जबलपुर, नवभारत। मध्यप्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद निर्वाचन 2026 के अंतर्गत मंगलवार को जिला ग्वालियर की 6 मतपेटियों की मतगणना सफलतापूर्वक पूर्ण कर ली गई है। शेष मतपेटियों की मतगणना बुधवार को संपन्न की जाएगी। निर्वाचन प्रक्रिया अधिवक्ता समुदाय के व्यापक सहयोग, सहभागिता एवं पूर्ण पारदर्शिता के साथ सुव्यवस्थित रूप से निरंतर आगे बढ़ रही है। मतगणना के प्रत्येक चरण में अभ्यर्थियों एवं उनके अधिकृत प्रतिनिधियों की उपस्थिति में संपादित हो रहा है। वर्तमान मतगणना चरण में राकेश सिंह भदौरिया पहले फिर गौरव मिश्रा, डॉ विजय कुमार चौधरी, दिनेश कुमार शुक्ला, जितेन्द्र कुमार शर्मा ने अपनी जगह बना रही है साथ ही इस निर्वाचन में महिला अधिवक्ताओं की उल्लेखनीय सहभागिता देखने को मिल रही है।

महिलाएं जो दौड़ में आगे

महिला प्रत्याशी चुनावी दौड़ में सक्रिय रूप से बनी हुई हैं, जो अधिवक्ता समाज में महिला नेतृत्व की सशक्त उपस्थिति को दर्शाता है इनमे प्रतीका पाठक पहले फिर अन्नू पटेल, राजकुमारी शर्मा, गायत्री सुर्वे, रश्मि ऋतु जैन ने जगह बनाई है। प्रत्येक चरण के साथ चुनावी प्रतिस्पर्धा और अधिक सशक्त, प्रभावशाली एवं निर्णायक रूप लेती जा रही है। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद निर्वाचन 2026 की मतगणना प्रक्रिया 16 जून से निरंतर जारी है।अबतक के कुल 19,702 मतों की मतगणना हुई है जिसमें से 18,983 मतपत्र सही पाये गये हैं एवं 719 मतपत्र नियम विरूद्ध होने से निरस्त हुये।

डुमना के जंगल में मिला लापता किशोर का क्षत-विक्षत शव

हत्या या आत्महत्या, जांच में जुटी पुलिस

जबलपुर। खमरिया थाना अंतर्गत महगवां से लापता हुए एक 17 वर्षीय किशोर का शव मंगलवार को डुमना के जंगलों में फांसी पर लटका मिला। शव इतनी बुरी तरह से सड़-गल (डीकंपोज) चुका था कि शरीर का निचला हिस्सा टूटकर जमीन पर गिर गया था। पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है। पुलिस हत्या और आत्महत्या दोनों ही एंगल पर मामले की जांच कर रही है। खमरिया थाना प्रभारी राजकुमार खटीक से मिली जानकारी के अनुसार, महगवां निवासी नितिन बैगा (17), पिता राजकुमार बैगा, गत 8 जून को अपने घर से निकला था। जब वह देर रात तक वापस नहीं लौटा, तो परिजनों की चिंता बढ़ गई। उन्होंने अपने स्तर पर रिश्तेदारी और आसपास के इलाकों में नितिन की काफी तलाश की, लेकिन उसका कहीं कोई पता नहीं चला। कहीं भी सुराग न मिलने पर हताश परिजनों ने 9 जून को खमरिया थाने पहुंचकर नितिन की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। मंगलवार 30 जून को दोपहर करीब 12 बजे महगवां खाटू श्याम मंदिर के पीछे जंगल में शव लटका हुआ मिला। शव पूरी तरह से सड़ चुका था। शव की स्थिति इतनी भयावह थी कि उसका निचला हिस्सा धड़ से अलग होकर नीचे गिर गया था। पुलिस का कहना है कि हत्या और आत्महत्या दोनों ही बिंदुओं पर जांच चल रही है। मौत के असली कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा, जिसके बाद आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

तीन फीट लंबी गोह से मचा हड़कंप

जबलपुर। गढ़ा थानांतर्गत बी टी तिराहा स्थित बी टी कम्पाउन्ड में सांयकाल साढ़े सात बजे एक तीन फीट लंबी सड़क मार्ग से निकल कर एक किराना दुकान में जा घुसी जिसके कारण वहां अफरातफरी मच गई। स्थानीय टोनी भाईजान ने सर्प विशेषज्ञ गजेन्द्र दुबे को सूचना दी जिन्होंने मौके पर पहुंचकर रैस्क्यू करते हुए गोह को पकड़कर बरगी के जंगल में छोड़ दिया।

सोशल मीडिया पर दोस्ती, होटल में लूटी आबरू

जबलपुर। सोशल मीडिया पर दोस्ती के बाद एक युवती को प्रेम जाल में फंसाकर छत्तीसगढ़ में रहने वाला युवक लार्डगंज थाना अंतर्गत यादव कॉलोनी स्थित एक होटल में शादी का झांसा देकर उसकी आबरू लूटता रहा। पिछले चार साल से शादी का झांसा देकर युवती का शारीरिक शोषण कर रहा था। युवती की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, गढ़ा निवासी 30 वर्षीय युवती की मुलाकात चार साल पहले सोशल मीडिया के माध्यम से छत्तीसगढ़ निवासी एक युवक से हुई थी। बातचीत के दौरान युवक ने युवती को अपने प्रेम जाल में फंसा लिया। इसके बाद वह अक्सर युवती से मिलने जबलपुर आने लगा। आरोपी युवक ने लार्डगंज थाना अंतर्गत यादव कॉलोनी स्थित एक होटल में युवती को बुलाया। वहां उसने शादी का वादा कर युवती के साथ पहली बार शारीरिक संबंध बनाए। इसके बाद जब भी वह जबलपुर आता, उसी होटल में युवती को बुलाकर उसका शोषण करता रहा। जब युवती ने उस पर शादी करने का दबाव बनाया, तो आरोपी अपने वादे से मुकर गया। उसने शादी करने से साफ मना कर दिया। धोखा मिलने के बाद पीड़िता लार्डगंज थाने पहुंची और पुलिस को पूरी घटना बताई। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है ।

धार्मिक स्थलों और स्कूलों के पास से हटे शराब दुकान

जबलपुर। गोराबाजार क्षेत्र में संचालित एक शराब दुकान को लेकर भारतीय जनता पार्टी के जिला प्रतिनिधि नकुल गुप्ता ने कलेक्टर को एक शिकायत पत्र सौंपकर दुकान को तुरंत प्रभाव से विस्थापित करने की मांग की है। आरोप है कि यह दुकान आबकारी नियमों को ताक पर रखकर संवेदनशील इलाके में संचालित की जा रही है। कलेक्टर को सौंपे गए पत्र और नक्शे के अनुसार, गोराबाज़ार तिराहे पर स्थित इस शराब दुकान के ठीक पास कई धार्मिक और शैक्षणिक संस्थान मौजूद हैं। दुकान से मात्र 40 मीटर की दूरी पर एक मंदिर और एक मस्जिद आमने-सामने स्थित हैं। इसके अलावा 100 मीटर के दायरे में एक चर्च भी है। दुकान से महज 60 से 150 मीटर की दूरी पर शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल, शासकीय हाई स्कूल और बी.आई.बी. स्कूल कैंटोनमेंट स्थित हैं, जहां रोजाना सैकड़ों छात्र आते-जाते हैं। गोराबाजार के मात्र 3 किलोमीटर के दायरे में चार-चार दुकानें खोल दी गई हैं।

शादी वाले दो घरों में चोरी, जेवर नगदी से भरे तीन बैग ले उड़े चोर

जबलपुर। बेलबाग, पनागर में शादी वाले दो घरों में बेखौफ चोरों ने धावा बोलते सोने चांदी के जेवरात, नगदी से भरे तीन बैग पार कर दिए। पुलिस ने दोनों ही मामलों में अज्ञात चोरों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। बेलबाग पुलिस ने बताया कि मुकेश रजक 40 वर्ष निवासी ब्यौहारबाग ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह लगभग 20 वर्ष से एडवोकेट महेन्द्र पटेरिया के घर में काम करता है पटैरिया के घर में शादी का कार्यक्रम चल रहा था सभी कार्यक्रम में व्यस्त थे घर में मेहमानों,पड़ोसियों का आना जाना लगातार बना हुआ था काफी भीड़ थी घर के सामने आंगन में टेबल पर लाल बैग में शादी कार्यक्रम खर्चा के लिये कुल 85 हजार रूपये रखे थे, भीड़ का फायदा उठाकर कोई अज्ञात चोर रूपये से भरा बैग चोरी कर ले गया। इसी प्रकार पनागर थाने में उषा पटेल 50 वर्ष निवासी ग्राम बिलखरवा ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि बीती रात लगभग 12 बजे से 4 बजे के बीच वह शादी समारोह में ग्राम पिपरिया खिरिया आई थी और भी मेहमान आये थे वह एवं उसकी बड़ी बहन उमा पटेल परछी में सो रहीं थीं उसके 2 बैग जिनमें कपड़े रखे थे एक बैग के अंदर सोने का हार, 1 छोटा मंगलसूत्र, चांदी की एक जोड़ी पायल, 2 जोड़ी बिछिया, नगदी लगभग 25 हजार रूपये रखे थे बैग कपड़ों के नीचे रखा था, दोनो बैग जहां मॉ सोती है जिसमें दरवाजा नहीं है वहां पर रखे थे अज्ञात चोर घर के अंदर घुसकर दोनों बैग चोरी कर ले गया।

निरीक्षण | 45 सदस्यों की टीम, मशीनरी तैनात, परियट पहुंच लिया जायजा

जल आपूर्ति में कोई बाधा नहीं आए : निगमायुक्त

जबलपुर। नागरिकों को नियमित और शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। पूरी टीम पूरी क्षमता के साथ फील्ड पर काम कर करें ताकि जल आपूर्ति में कोई बाधा न आए। यह बातें सुबह-सुबह निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने अपर आयुक्त सौरभ मिश्रा के अलावा अन्य अधिकारियों की टीम के साथ परियट पहुंचकर पेयजल आपूर्ति व्यवस्था का बारीकी से निरीक्षण करते हुए कहीं । निगमायुक्त ने मौके पर चल रहे कार्यों का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

परियट में जल आपूर्ति व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए नगर निगम की टीम पूरी ऊर्जा के साथ जुटी हुई है। वर्तमान में 45 सदस्यों की एक विशेष टीम और अत्याधुनिक मशीनरी संसाधन मौके पर तैनात हैं, जो व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। काम की गंभीरता को देखते हुए स्थल पर खुद कार्यपालन यंत्री जल कमलेश श्रीवास्तव, जी एस मरावी के साथ सहायक यंत्री राजेश खंपरिया, अनुराग पाठक, अंकुर नाग और अमजद खान मंसूरी सहित तकनीकी अमला मौके पर डटा हुआ है। अधिकारियों की इस सीधी मौजूदगी से कार्य में तेजी आ रही है और किसी भी तकनीकी समस्या का ऑन-स्पॉट निपटारा किया जा रहा है। इस अवसर पर निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने अधिकारियों के साथ भगवान भोलेनाथ, हनुमान जी और भगवान इंद्र देव की पूजन अर्चन कर शहर में अच्छी बारिश की कामना की।